

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—काण्ड 3—उपलब्ध (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)



प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं**० 314]** नई बिल्लो, बुधवार, सितम्बर 22, 1976/भाष्र 31, 1898

No. 314] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 22, 1976/BHADRA 31, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd September 1976

G.S.R. 811(E).—In exercise of the powers conferred by Section 41 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Warehousing Corporations Rules. 1963, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Central Warehousing Corporation (Third Amendment) Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. In the Central Warehousing Corporation Rules, 1963-
 - (a) in rule 43, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(1) Subject to the provisions of this rule, all moneys belonging to the Corporation, shall be deposited in the Reserve Bank of India or the State Bank of India or any subsidiary bank of the State Bank of India or any nationalised bank, and, with the approval of the Executive Committee, in any other scheduled bank or cooperative bank:";

- (b) in rule 44, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(1) Any funds of the Corporation deposited under sub-rule (1) of rule 43, and not required for current expenditure, may be placed in fixed deposit with the Reserve Bank of India or the State Bank of India or any subsidiary bank of the State Bank of India or any nationalised bank, and, with the approval of the Central Government, in any other scheduled bank or co-operative bank, or invested in the name of the Corporation in the securities of the Central Government or 'any State Government.";
- 3. In Form 'B',-
 - "(a) in column 2, for the words, figure and brackets "3, ADMINISTRATIVE EX-PENSES (specify details, if necessary)", the words, figure and brackets "3. ADMINISTRATIVE EXPENSES (salary, allowances and other remuneration of the staff in relation to the administration of the Warehousing Fund)" shall be substituted;
 - (b) entries 4 and 5 shall respectively be renumbered as entries 5 and 6 and before entries 5 and 6 as so re-numbered, the following entry shall be inserted, namely:— L
 - "4 Expenses on:
 - (a) Training of personnel.
 - (b) Publicity and Propaganda.";
- 4. In Form 'D', in column 2, entry "11 Publicity and Propaganda" shall be omitted.

[No. F. 9-26/74-SG]

R. K. SHASTRI, Jt. Secy.

कृषि भौर सिचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग)

श्रधि**स्** वना

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1976

सां कां नि 811 (प).—केन्द्रीय मरकार, भाण्डागारण निगम प्रिक्षिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 41 द्वारा प्रदत्त मन्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय भाण्डा-गारण नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनातो है, प्रथित .—

- 1. (1) इन नियमो का नाम केन्द्रीय भाण्डागारण नियम (तृतीय संशोधन) नियम, 1976 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशांग को तारीब को प्रमृत होंगे।
- 2. केन्द्रीय भाण्डागारण निगम नियम, 1963 में,
 - (क) नियम 43 में, उपनियम (1) के स्थान पर निष्निवित उप-नियम रखा जाएगा, ग्रथित् :---
 - "(1) इस नियम के उपबन्धों के श्रधीन रहते हुए, निगम के सभी धनों का निक्षेप, भारतीय रिजर्व बैक या भारतीय स्टैट बैक या भारतीय स्टैट बैक या भारतीय स्टैट बैक के किमी समनुषणी बैंक या किसी राष्ट्रीयकृत बैक में श्रीर कार्य-पालिका समिति के अनुमोदन से किसी श्रन्य अनुसूचित बैक या सहकारी बैंक में, किया जाएगा;"

- (ख) नियम 44 में उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखिन उपनियम रखा जाएगा, अर्थात :---
 - (1) "नियम 43 के उनियम (1) कि अबीन निगन की निक्षित निधि, जो चालू ब्यय के लिए अनेकिन नहीं हैं भारतीय रिनर्व बैंक या भारतीय स्टैट बैंक के किसी समनुषंगी बैंक या भारतीय स्टैट बैंक के किसी समनुषंगी बैंक या किनी राष्ट्रीय कृत बैंक और केन्द्रीय सरकार के अनुभोदन से, किनी अन्य अनुसुचित बैंक या सरकारी बैंक में सामधिक निक्षेत में जना की जा में हो। या निगत है नाम से किन्द्रीत सरकार या राज्य सरकारों की प्रतिभृतियों में विनिहित की जा सहिगी।"
- 3. प्रारूप 'ख' में,
 - (क) स्तम्भ 2 में "3 प्रगापितिक व्यथ (यदि श्रावश्यत हो तो विवरण दें)" श्रंक; शब्द श्रीर कोश्डकों के स्थान पर "3. प्रगासितिक व्यथ (भाण्डागारण निगम के प्रगासन से सम्बद्ध कर्नवारीबृन्द के वेतन, भत्ते श्रीर श्रन्थ परिश्रियक)" श्रंक, शब्द श्रीर कोष्डक रखे जायेंगे।
 - (ख) प्रविध्टि 4 और 5 को क्रानगः प्रविध्टि 5 थोर 6 के रूप में पुन. संख्यांतित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित प्रविध्टि 5 थीर 6 के पूर्व निम्नलिखित प्रविध्टि अतःस्यानित की जाएगी, अर्थात् :--
 - "4. निम्नलिखित पर व्यय:
 - (क) कार्मिकों का प्रशिक्षण:
 - (ख) प्रनार और प्रसार
- 4. प्ररूप 'घ' में, स्तम्भ 2 में 'प्रवार श्रीर प्रसार' प्रविष्टिका लोग किया जाएगा।

[सं॰ फा॰ 9-26/74-एस जी]

भ्रार० के० शास्त्री, संयुक्त सचिव ।

/